www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–43 | RNI-No.: UPHIN/2011/43806 | लखनऊ,रविवार 11 जनवरी, 2026 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी

त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी, माघ मेला की समीक्षा की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर माघ मेले की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु एक मोबाइल ऐप लश्न्च किया। इसके साथ ही उन्होंने लेटे हनुमान जी मंदिर में पूजा-अर्चना की और रामानंदाचार्य जयंती कार्यक्रम में सामाजिक एकता का संदेश दिया।

प्रयागराज 10 जनवरी (एजेसी)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की समीक्षा के लिए अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माघ मेला सेवा ऐप का भी उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज पहुंचे। उनकी यात्रा आध्यात्मिक गतिविधियों से भी भरी रही, क्योंकि उन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान किया।योगी आदित्यनाथ ने लेते हनुमान जी मंदिर में भी पूजा–अर्चना की और मंदिर परिसर में गायों को चारा खिलाया। योगी आदित्यनाथ ने रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने सभी समुदायों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 700 वर्ष पूर्व, जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने सभी समुदायों में एकता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर की शरण लेने का अधिकार है। उन्होंने समाज को एकजुट करने के लिए विभिन्न जातियों के शिष्यों को अपने साथ लिया।प्रयागपुर (उत्तर प्रदेश) का माघ मेला, जो पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है, भारत के सबसे बड़े तीर्थयात्राओं में से एक है। इस तीर्थयात्रा का नाम हिंदू महीने माघ के नाम पर रखा गया है, जो आमतौर पर जनवरी–फरवरी में पड़ता है। प्रयाग माघ मेला 45 दिनों की तीर्थयात्रा है जो पौष पूर्णिमा (पौष महीने की पूर्णिमा) से शुरू होकर महाशिवरात्रि पर समाप्त होती है, और पूरे माघ महीने को कवर करती है।पौष माह की पूर्णिमा के दिन स्नान (पवित्र स्नान) के साथ मेले का शुभारंभ होता है। मेले के दौरान कुल छह स्नान होते हैं, जैसे पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति (माघ माह का प्रारंभ), शत्तिला एकादशी (माघ माह में कृष्ण पक्ष), मौनी अमावस्या (माघ माह की अमावस्या जब लोग मौन व्रत लेते हैं), बसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी, माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का पांचवा दिन), अचल सप्तमी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण का सातवां दिन, जिसे भगवान सूर्य के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है), जय एकादशी (माघ माह में चंद्रमा के बढ़ते चरण के ग्यारहवें दिन रखा जाने वाला उपवास) और माघ पूर्णिमा (माघ माह की पूर्णिमा)।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग 2026 के समापन सत्र को संबोधित करेंगे मोदी

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यहां भारत मंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के समापन सत्र में हिस्सा लेंगे।इस मौके पर प्रधानमंत्री देश भर के लगभग 3,000 युवाओं के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय 'डायस्पोरा' का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। चुने हुए प्रतिभागी दस थीम वाले ट्रैक पर प्रधानमंत्री को अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों पर युवाओं के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और कार्रवाई योग्य विचार साझा किए जाएंगे।कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के लिए निबंध संकलन जारी करेंगे, जिसमें भारत की विकास प्राथमिकताओं और राष्ट्र निर्माण के दीर्घकालिक लक्ष्यों पर युवा प्रतिभागियों के चुनींदा निबंध शामिल होंगे।विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग, एक राष्ट्रीय मंच है जिसे भारत के युवाओं और राष्ट्रीय नेतृत्व के बीच व्यवस्थित संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अब अपने दूसरे संस्करण में प्रवेश कर चुका है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के उस आह्वान के अनुरूप है, जिसमें एक लाख युवाओं को बिना किसी राजनीतिक जुड़ाव के राजनीति में शामिल करना और उन्हें विकसित भारत के लिए अपने विचारों को हकीकत बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।नौ से 12 जनवरी तक आयोजित हो रहे विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026,में देश भर के 50 लाख से अधिक युवाओं ने विभिन्न स्तरों पर भाग लिया है। राष्ट्रीय स्तर की चौंपियनशिप में भाग लेने वाले युवा नेताओं का चयन एक कठिन, योग्यता–आधारित तीन–चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है, जिसमें देशव्यापी डिजिटल क्विज, एक निबंध चुनौती और राज्य–स्तरीय विजन प्रेजेंटेशन शामिल हैं।डायलॉग का दूसरा संस्करण अपने पहले संस्करण की सफलता पर आधारित है, जिसमें कई नए प्रमुख बदलाव किए गए हैं, जिसमें ' डिजाइन फॉर भारत, टेक फॉर विकसित भारत –हैक फॉर ए सोशल कॉज', विस्तारित थीम वाले जुड़ाव और पहली बार अंतरराष्ट्रीय भागीदारी शामिल है,

दौसा जिले में 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेसी)राजस्थान के दौसा जिले में पुलिस ने अवैध शराब का बड़ा जखीरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार पकड़ी गई शराब की कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है।पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम एन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। एजीटीएफ और दौसा सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक संदिग्ध ट्रक की तलाशी में शराब का यह जखीरा बरामद किया गया। इस ट्रक में 415 चावल के कट्टे लदे थे और नीचे पंजाब मार्का शराब छिपाई हुई थी।तलाशी में रॉयल चौलेंज, रॉयल स्टैग और मैकडॉवेल्स जैसे ब्रांड की शराब की 1071 पेटी कार्टन बरामद हुई। इस संबंध में बाड़मेर निवासी दिनेश जाट को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक व 60 हजार रुपये की नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध शराब हरियाणा के सिरसा से गुजरात ले जाई जा रही थी।

सिरमौर बस दुर्घटना: 14 की मौतों का जिम्मेदार कौन,डिप्टी सीएम ने दिए जांच के आदेश

शिमला 10 जनवरी (एजेंसी)हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में बस हादसे में 14 लोगों की मौत के एक दिन बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं। परिवहन विभाग का प्रभार संभाल रहे अग्निहोत्री ने कहा कि प्रशासन ने पूरे मामले में तत्परता दिखाई है और घायलों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। यह हादसा शुक्रवार दोपहर उस समय हुआ जब क्षमता से अधिक यात्री लेकर जा रही एक निजी बस शिमला से कुपवी जाते समय 500 फुट गहरी खाई में जा गिरी। बस की 39 यात्री ले जाने की क्षमता थी। हादसा नाहन जिला मुख्यालय नाहन से करीब 95 किलोमीटर दूर हरिपुरधार गांव के पास हुआ। इसमें आठ महिलाओं सहित 14 लोगों की मौत हो गई, और लगभग 52 लोग घायल हो गए। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि पाले की वजह से सड़क पर काफी फिसलन हो गई थी और बस चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा।

भाजपा, उसके सहयोगी असम की तीनों राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगे: हिमन्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगियों ने भुयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा था क्योंकि उन्हें लगता था कि वह ”निष्पक्ष हैं और लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे।

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेसी)मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दल असम में इस साल अप्रैल में रिक्त होने जा रही राज्यसभा की तीनों सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शर्मा ने दावा किया कि दो सीट पर उनके उम्मीदवारों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट भी उनके खाते में जा सकती है।भाजपा के दो सांसद, भुवनेश्वर कलिता और रामेश्वर तेली तथा एक निर्दलीय सांसद अजीत भुयान का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है। शर्मा ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ”भाजपा, अगप (असम गण परिषद) और हमारा संयुक्त मोर्चा तीनों सीट पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीट पर निश्चित रूप से जीतेंगे। तीसरी सीट पर हम जीत भी सकते हैं और हार भी सकते हैं।”मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार भाजपा और उसके सहयोगियों ने भुयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा था क्योंकि उन्हें लगता था कि वह ”निष्पक्ष हैं और लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे।”उन्होंने भुयान के सांसद निधि के कथित दुरुपयोग से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए कहा, ”उन्होंने राज्यसभा सांसद की निधि का क्या किया, यह हम सभी जानते हैं।”वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 विधायक हैं, जबकि उसके सहयोगी अगप, यूनाइटेड पीपुल पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के पास क्रमशः नौ, सात और तीन विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस के 26, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के 15 और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक विधायक हैं। सदन में एक निर्दलीय विधायक भी हैं।

भारत को वो असली धुरंधर, जिसने हिज्बुल मुजाहिदीन की जड़ें हिला दीं :मातृभूमि

जब से धुरंधर पिक्चर रिलीज हुई है। देश-दुनिया में इसी के चर्चा हैं। रणवीर सिंह के लुक्स, अक्षय खन्ना का डांस, अजित डोभाल जैसे गेटअप में आर माधवन। धुरंधर पिछले महीने 5 दिसंबर को रिलीज हुई। उसके बाद से एक बड़ा वर्ग इसकी बहुत तारीफ कर रहा है और अच्छा सिनेमा बता रहा है। फिल्म में भले ही रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह का फिक्शनल किरदार निभाया है। लेकिन जिसके बाद से ये चर्चा तेज है कि क्या वाकई में कोई ऐसा शेर था भी क्या?

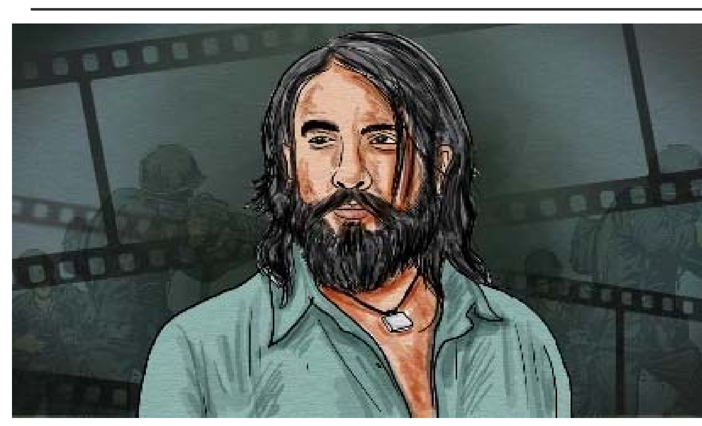

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेसी)मार्च 2004 श्रीनगर की गहराइयों में बर्फीली पहाड़ी पर लकड़ी के घर में आतंकियों में अलग ही गहमागहमी मची हुई थी। हिजबुल मुजाहदीन का इफ्तिखार नाम का आतंकी रसोई में काहबा उबाल रहा था और दूसरे कमरे में अबू तुरारा और अबू सब्जार नाम के आतंकी आपस में कुछ फुसफुसा रहे थे। इसके बाद यह दोनों अपनी ।झ–47 को लोड कर लेते हैं और तभी इफ्तिखार ट्रे में काहबा के तीन कप पकड़े हुए कमरे में दाखिल होता है। इफ्तिखार को देखते ही काहबा के गिलास उठाने की जगह सब्जार उस पर अपनी ।झ–47 तान देता है और गुस्से में कहता है इफ्तिखार मैं आखिरी बार पूछूंगा तुम कौन हो? इफ्तिखार अपने साथियों का ऐसा व्यवहार देख बड़ी सावधानी से ट्रे को नीचे रखता है और तुरंत हाथ ऊपर करके तुरारा की आंखों में देखते हुए कहता है भाईजान मैंने आपको अपनी पूरी कहानी बताई थी फिर भी आपको विश्वास नहीं हो रहा। एक काम करो आप मुझे अभी गोली मार दो, इतना सुन तुरारा और सब्जार एक दूसरे की तरफ देखने लगते हैं। तुरारा हां में सर हिलाता है जिसके बाद सब्जार अपनी बंदूक नीचे कर लेता है। इसके बाद दोनों जमीन पर रख ही ट्रे से अपना–अपना काहबा का गिलास उठाते हैं और सामने रखी चारपाई की तरफ आगे बढ़ते हैं। जैसे ही इन दोनों की पीठ इफ्तिखार की तरफ होती है, वो तुरंत अपना बड़ा सा शॉल साइड करके अपनी कमर से पिस्तौल निकाल के लोड करता है। पिस्तौल लोड होने की आवाज सुनते ही तुरारा और सब्जार गर्दन घुमाते हैं। इतने में ही इफ्तिखार एक–एक करके दो गोली इनकी छाती से आर–पार कर देता है। यह इन आतंकियों के बीच कोई आपसी मनमुटाव नहीं था बल्कि यह इफ्तिखार भारत की वन पैरा एसएफ के जांबाज कमांडो मोहित शर्मा थे जो इन दोनों खूंखार आतंकियों को पिछले दो महीनों से मारने की ताक में थे।जब से धुरंधर पिक्चर रिलीज हुई है। देश–दुनिया में इसी के चर्चा हैं। रणवीर सिंह के लुक्स, अक्षय खन्ना का डांस, अजित डोभाल जैसे गेटअप में आर माधवन। धुरंधर पिछले महीने 5 दिसंबर को रिलीज हुई। उसके बाद से एक बड़ा वर्ग इसकी बहुत तारीफ कर रहा है और अच्छा सिनेमा बता रहा है। फिल्म में भले ही रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह का फिक्शनल किरदार निभाया है। लेकिन जिसके बाद से ये चर्चा तेज है कि क्या वाकई में कोई ऐसा शेर था भी क्या? तो आज मातृभूमि में आपको बताएंगे कि फिल्म में रणवीर सिंह का किरदार मेजर मोहित शर्मा से इन्सपायर है। मेजर मोहित शर्मा की कहानी फिल्म में दिखाए गए रणवीर सिंह के किरदार से कई गुणा खौफनाक और सच्ची थी। इसलिए रील की दुनिया से आगे बढ़कर आज आपके सामने रियल वाली कहानी सुनाते हैं। वो कहानी जिसे सुनते हुए रोंगटे खड़े हो जाएंगे। दिल जोर से धड़केगा और आंखें अपने आप नम हो जाएंगी। यह कहानी है हिंदुस्तान के उस शेर की जिसने मौत को सिर्फ गले नहीं लगाया बल्कि उसकी आंखों में आंखें डालकर यह कहा कि आजा तू भी देख ले कि हिंदुस्तानी फौज की आखिरी सांस तक में कितनी ताकत छिपी होती है। यह कहानी है मेजर मोहित शर्मा की जो कश्मीर गया आतंकी लोगों के साथ रहा। उनके बिस्तर पर सोया। खातरनाक हिजबुल कमांडरों के साथ कहवा पिया और उनकी आंखों में झूठ का सुरमा लगाया।

अमित शाह ने दिया आत्मनिर्भर भारत का फार्मूला

हर समुदाय आत्मनिर्भर होगा तो देश भी होगा

जोधपुर में माहेश्वरी समुदाय के सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने सामुदायिक आयोजनों को राष्ट्रीय एकता के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने माहेश्वरी समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जब समुदाय आत्मनिर्भर होते हैं, तो वे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित सामुदायिक सभाएं देश को विभाजित करने के बजाय उसे मजबूत बनाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है। शाह जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एंड एक्सपो को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत का सामाजिक ताना–बाना और मजबूत सामुदायिक संरचनाएं राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे कमजोर सदस्यों के कल्याण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ले, तो इससे पूरे देश का भला होगा।अमित शाह ने कहा कि जब भी सामाजिक समारोह या सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, तो कुछ तथाकथित प्रगतिशील लोग उनमें शामिल होने वालों की आलोचना करते हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से ऐसी कई आलोचनाओं का सामना किया है। मेरा मानना घ्है कि हमारे समुदायों की संरचना और इस तरह के बड़े सामुदायिक आयोजन वास्तव में भारत को मजबूत बनाते हैंय वे देश को कभी विभाजित नहीं करते। यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे गरीब सदस्यों की सुरक्षा और कल्याण की जिम्मेदारी लेता है, तो पूरे देश की देखभाल स्वतः ही हो जाएगी और यदि प्रत्येक समुदाय आत्मनिर्भर हो जाता है, तो पूरा भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा।महेश्वरी समुदाय की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि इस समुदाय ने ऐसे व्यक्तियों को जन्म दिया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए योगदान दिया है, जिससे भारत एक रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रमुखता के बावजूद, यह समुदाय अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने कहा कि महेश्वरी समुदाय से निकले रत्नों ने इस देश को हर क्षेत्र में सुशोभित किया है, जिससे यह रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। देश में सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बाद भी, यदि कोई समुदाय अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है, तो वह महेश्वरी समुदाय है।गृह मंत्री ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के बाद, जब भारत ने औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता की ओर अपना सफर शुरू किया, तब माहेश्वरी समुदाय ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और उत्पादन से लेकर धन सृजन और प्रौद्योगिकी तक, इस समुदाय ने निरंतर अपनी प्रगतिशील सोच का प्रदर्शन किया है। शाह ने कहा, ष्जब देश को स्वतंत्रता मिली और आजादी के बाद आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और उद्योगों के क्षेत्र में पूरी दुनिया को पीछे छोड़ते हुए प्रगति करने का समय आया, तब भी माहेश्वरी समुदाय ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चाहे उत्पादन हो, विनिर्माण केंद्र हों, धन सृजन हो या प्रौद्योगिकी, माहेश्वरी समुदाय ने इन सभी क्षेत्रों में हमेशा एक प्रगतिशील समाज के रूप में अपनी पहचान साबित की है।ष

निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ, अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रियाय घोषणा पत्र जारी

मुंबई 10 जनवरी (एजेसी)एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है। आपको बता दें कि जुलाई 2023 में अजीत पवार द्वारा अपने चाचा शरद पवार से बगावत कर एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों गुटों के शीर्ष नेता इस तरह एक साथ नजर आए हैं

चेन्नई में सीएम स्टालिन का डबल सेलिब्रेशन

पोंगल उत्सव के साथ तिरुक्कुरल सप्ताह का ऐलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में पोंगल उत्सव में भाग लिया और राज्य भर में शतिरुक्कुरल सप्ताहश मनाने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य ज्ञान की प्रतिमा की रजत जयंती के अवसर पर तमिल भाषा, साहित्य और संस्×ति को बढ़ावा देना है।

नई दिल्ली 10 जनवरी (एजेसी)तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आज चेन्नई में पोंगल समारोह में भाग लिया और उपस्थित लोगों को रसोई के उपकरण वितरित किए। इससे पहले उसी दिन, मुख्यमंत्री ने जनवरी में तिरुक्कुरल सप्ताह के राज्यव्यापी समारोहों की घोषणा की और तमिल भाषा, साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि ये समारोह कन्याकुमारी घाट पर मुथमिल अरिगनार द्वारा स्थापित ज्ञान की प्रतिमा की रजत जयंती के अवसर पर की गई घोषणा के अनुरूप आयोजित किए जा रहे हैं।स्टालिन ने अपने पोस्ट में जिसके साथ एक वीडियो भी था में कहा कि मुथमिल अरिगनार द्वारा कन्याकुमारी घाट पर स्थापित रुझान की प्रतिमा की रजत जयंती समारोह के दौरान की गई घोषणा के अनुसार, जनवरी माह में तमिलनाडु भर में कुर्ल वार विल्ला उत्सव मनाया जाएगा! कुरल चित्रकला, कुरल पाठ, संगीत प्रस्तुतियां, सेमिनार, तमिल संगीत, सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की भागीदारी के साथ कुरल शिक्षक सम्मेलन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं और अन्य कार्यक्रम सभी 38 जिलों में आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने थिरुक्कुरल थिरुविझा – वह भव्य उत्सव जो तमिलों को हमेशा प्रसन्न करता है के बैनर तले गर्व के साथ कार्यक्रमों का उद्घाटन किया और लोगों से वल्लुवर के मूल्यों का सम्मान और पालन करने का आह्वान किया। इस बीच, गुरुवार को स्टालिन ने नंदनम स्थित वाईएमसीए मैदान में चेन्नई पुस्तक मेले के 49वें संस्करण का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे एक दीर्घकालिक ज्ञान उत्सव बताया और इसकी निरंतर सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस दीर्घकालिक ज्ञान उत्सव का उद्घाटन करके प्रसन्न हैं और उन्होंने उन प्रकाशकों के प्रति आभार व्यक्त किया जो वर्षों से लगातार इस प्रदर्शनी का आयोजन कर रहे हैं।स्टालिन ने कहा कि उन्हें विशेष रूप से इस बात की संतुष्टि है कि पूर्व मुख्यमंत्री कलाइग्नार द्वारा दिए गए 1 करोड़ रुपये के दान से प्राप्त ब्याज का उपयोग उत्कृष्ट लेखकों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आगे कहा कि इस पहल के तहत, प्रख्यात लेखकों को कलाइग्नार पोर्किझी पुरस्कार के माध्यम से 1 लाख रुपये प्रत्येक से सम्मानित किया जा रहा है। ज्ञान के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिल समुदाय को वैश्विक स्तर पर एक ज्ञान–आधारित समाज के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

मोदी व योगी ने दी यूपी को नई दिशा व दशा

पूर्ववर्ती सरकारों ने गरीब को वोट बैंक समझा, नागरिक नहीं। योजनाएँ घोषणाओं तक सीमित रहीं, लाभ बिचौलियों में बँट गया और पात्र व्यि लाइन में खड़ा रह गया। मोदी की डायरेक्ट बेनिफिट टांसफर नीति और योगी की सख्त ¬शासनिक निगरानी ने इस लूटतंत्र को ध्वस्त कर दिया। उज्ज्वला, ¬धानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, हर घर जल और मुत राशन जैसी योजनाएँ आज उद्दार ¬देश में किसी नेता की ›पा नहीं, बल्कि नागरिक का अिधकार बन चुकी हैं। यह अंत्योदय का वह स्वरूप है, जिसे पूर्ववर्ती सरकारें कभी समझ ही नहीं सकीं।

उत्तर प्रदेश का अतीत और वर्तमान दो अलग–अलग राजनीतिक संस्कृतियों की कहानी कहता है। एक ओर वे पूर्ववर्ती सरकारें थीं, जिनके लिए सत्ता का अर्थ जातीय गणित, तुष्टिकरण और अपराधियों से समझौता था, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी का वह शासन है, जिसमें केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राष्ट्रनीति और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कठोर, अनुशासित और परिणामकारी प्रशासन उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा दोनों को बदल रहा है।

पूर्ववर्ती सरकारों के दौर में उत्तर प्रदेश भय के साये में जीता था। माफिया खुलेआम सत्ता के संरक्षण में फलते–फूलते थे, थाने और तहसीलें दलालों के अड्डे बन चुकी थीं और आम नागरिक न्याय की उम्मीद छोड़ चुका था। कानून–व्यवस्था राजनीतिक सौदेबाजी का विषय थी। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बिना किसी राजनीतिक दबाव के लागू किया। आज अपराधी सत्ता से नहीं, कानून से डरता है– और यही बदलाव उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पूर्ववर्ती सरकारों ने गरीब को वोट बैंक समझा, नागरिक नहीं। योजनाएँ घोषणाओं तक सीमित रहीं, लाभ बिचौलियों में बँट गया और पात्र व्यक्ति लाइन में खड़ा रह गया। मोदी की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर नीति और योगी की सख्त प्रशासनिक निगरानी ने इस लूटतंत्र को ध्वस्त कर दिया। उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, हर घर जल और मुफ्त राशन जैसी योजनाएँ आज उत्तर प्रदेश में किसी नेता की कृपा नहीं, बल्कि नागरिक का अधिकार बन चुकी हैं। यह अंत्योदय का वह स्वरूप है, जिसे पूर्ववर्ती सरकारें कभी समझ ही नहीं सकीं।

आर्थिक मोर्चे पर भी अंतर दिन और रात जैसा है। जिन सरकारों ने उत्तर प्रदेश को "बीमारू राज्य" की पहचान दिलाई, वे निवेश, उद्योग और रोजगार की बात करने का नैतिक अधिकार खो चुकी हैं। असुरक्षा, भ्रष्टाचार और नीति–शून्यता के कारण निवेशक उत्तर प्रदेश से दूर भागते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' नीतियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीन पर उतारकर उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक गलियारे और मेडिकल हब में परिवर्तित किया। आज वही उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है– यह परिवर्तन संयोग नहीं, बल्कि निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है।

सांस्कृतिक चेतना के प्रश्न पर पूर्ववर्ती सरकारों की भूमिका और भी चिंताजनक रही। आस्था को या तो राजनीतिक अपराधबोध से देखा गया या तुष्टिकरण के तराजू में तौला गया। मंदिरों, परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को सत्ता के लिए असुविधाजनक माना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट वैचारिक प्रतिबद्धता ने इस हीन भावना को समाप्त किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास और मथुरा–वृंदावन की गरिमा की पुर्नस्थापना– यह स्पष्ट संदेश है कि उत्तर प्रदेश अब अपनी सभ्यता पर शर्मिंदा नहीं, बल्कि गर्व करता है।

पूर्ववर्ती सरकारों में प्रशासनिक ढिलाई, भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव सामान्य बात थी। फाइलें चलती थीं, काम नहीं। आज योगी सरकार में प्रशासन अनुशासन, समयबद्धता और परिणाम से पहचाना जाता है। डिजिटल शासन, पारदर्शी प्रक्रियाएँ और भ्रष्टाचार पर कठोर कार्रवाई– यह वही बदलाव है, जिसकी कल्पना भी पहले असंभव लगती थी।सबसे बड़ा अंतर राजनीतिक नीयत का है। पहले सत्ता का उद्देश्य कुर्सी बचाना था, आज सत्ता का उद्देश्य प्रदेश बनाना है। "जो कहा, वही किया"– यह कथन केंद्र सरकार व उत्तर प्रदेश में अब नारा नहीं, बल्कि जनअनुभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतिगत स्पष्टता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निर्भीक कार्यशैली ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत इरादों वाली सरकार ही बड़े परिवर्तन ला सकती है।भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश की प्रदेश मंत्री होने के नाते मैं पूरे राजनीतिक उत्तरदायित्व के साथ यह कहती हूँ। कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर प्रदेश को भय, भ्रम और पिछड़ेपन की राजनीति दी, जबकि भाजपा ने सुरक्षा, सुशासन और स्वाभिमान दिया है। यह अंतर केवल सरकारों का नहीं, बल्कि दो विचारधाराओं का है– एक जो सत्ता के लिए समाज को बाँटती है और दूसरी जो राष्ट्रहित में समाज को जोड़ती है। मोदी के नेतृत्व और योगी के शासन में उत्तर प्रदेश अब पीछे देखने वाला नहीं, बल्कि देश को दिशा देने वाला राज्य बन चुका है। (हिफी)

सम्पादकीय

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है।

फ्रेडरिक नीत्शे ने श्बेयांड गुड एंड ईवलश् में लिखा हैरू श्दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिए।श् लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है।

पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती हैरू भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए।

मजबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवतरू ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप–शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं।

उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024–25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन–देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं।

कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013–14 और 2022–23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है।

वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है।

भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नजरअंदाज करते हैं। उत्पादन–से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज़्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र इसका सबसे सटीक उदाहरण हैरू साल 2024–25 में इलेक्ट्रॉनिक्स का कुल उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया।

ईडी से टकरा गयीं ममता

bनफोर्समेंट डाइरेक्ट्रेट अर्थात ईडी एक स्वायत्त संस्था है और उसके अधिकारों को लेकर न्यायालय तक में विवाद चल रहा है। अभी कोई मुकम्मल फैसला नहीं हुआ है इसलिए ईडी की छापामारी जारी है। पश्चिम बंगाल में गत 8 जनवरी को कोलकाता में परामर्श फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई–पैक) के दफ्तर पर ईडी ने छापा मारा। यह कम्पनी ममता बनर्जी की पार्टी को सलाह–मशविरा देती है। छापे के दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा हो गया। ईडी का आरोप है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी छापे मारी के बीच जरूरी साक्ष्य लेकर चली गयीं। उधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि ईडी की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। ईडी ने हमारे आईटी प्रमुख के यहां छापा मारा और हमारी राजनीतिक पार्टी तृणमूल से जुड़े दस्तावेज, हार्डडिस्क और विधानसभा से जुड़े उम्मीदवारों की सूची जब्त कर ली है। हम ये दस्तावेज वापस लेंगे। ईडी का कहना है कि कोयला तस्करी से जुड़े हवाला आपरेटर ने आई–पैक को करोड़ों रुपये की राशि उपलब्ध करायी है। इसी संदर्भ में आई–पैक के दफ्तर और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा। प्रतीक के घर से ही ममता बनर्जी फाइलें ले गयी हैं। आदर्श स्थिति यही है कि एक सरकारी एजेंसी अगर जांच–पड़ताल कर रही है तो सरकार को सहयोग करना चाहिए लेकिन अपने स्वभाव के अनुरूप ही ममता बनर्जी ने भाजपा को ललकारा है कि वह (भाजपा) तृणमूल कांग्रेस को चुनाव के मैदान में ही पराजित करे।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले ही उबाल शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रणनीतिक सलाहकार के ऑफिस और उसके डायरेक्टर व को–फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर की गई छापेमारी की कार्रवाई के खिलाफ विरोध रैली निकाली गयी। ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की इस तरह की कार्रवाई चुनावों से पहले राजनीतिक रूप से प्रेरित है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि यह भारत के इतिहास में पहली बार है कि किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर ईडी के चल रहे ऑपरेशन में बाधा डाली है। सीएम ममता के खिलाफ ईडी ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बंगाल में विधानसभा के लिए इस साल अप्रैल–मई महीने में चुनाव होने है।ईडी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आई–पैक ऑफिस और इसके सह–संस्थापक के घर पर छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करके जांच में बाधा डाली। एजेंसी का दावा है कि उन्होंने जबरन तलाशी स्थल से सबूत हटाए। उधर, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने ईडी पर पार्टी के चुनावी दस्तावेज चुराने का आरोप लगाया है। टीएमसी और बीजेपी दोनों एक–दूसरे पर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। दरवाजा खटखटाने का भी मन बना लिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गंगासागर मेले के लिए बाबूघाट में बनाए गए 'ट्रांजिट कैंप' का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, अगर वे एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर हम पर हमला करते हैं, मेरे खिलाफ झूठा मामला बनाते हैं या हमारे दस्तावेज चुराने की कोशिश करते हैं, तो क्या मुझे ऐसे प्रयासों का विरोध नहीं करना चाहिए? ईडी की छापेमारी का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, उन्होंने सब कुछ चुरा लिया है, सारा डेटा, एसआईआर सूची। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की ऐसी गतिविधियां चुनाव से पहले होती हैं। ईडी ने कोयला चोरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत कोलकाता स्थित आई–पैक के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर की तलाशी के लिए अभियान चलाया। ईडी ने आई–पैक के सॉल्ट लेक सेक्टर 5 ऑफिस में तलाशी अभियान चलाया, जो 2019 से तृणमूल कांग्रेस के लिए एक राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म के रूप में काम कर रहा है। ईडी की टीमों ने प्रतीक जैन के लाउडन स्ट्रीट स्थित आवास पर भी तलाशी ली। ईडी की रेड के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मध्य कोलकाता में जैन के घर पहुंचीं। परिसर से निकलते समय, उन्हें दस्तावेज और एक लैपटॉप ले जाते हुए देखा गया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस का है और पार्टी के आगामी विधानसभा चुनावों से संबंधित है। बाद में बनर्जी सॉल्ट लेक में आई–पैक ऑफिस भी गईं। उनके दौरे के दौरान, उनके साथ आए पुलिस अधिकारियों को ऑफिस से फाइलें और डायरी निकालते और उन्हें उनकी गाड़ी में रखते देखा गया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ईडी ने छापे मारने की आड़ में पार्टी की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों की लिस्ट, अंदरूनी डेटा और फाइनेंशियल कागजात लूट लिए पश्चिम बंगाल में आई पैक ऑफिस पर ईडी की छापेमारी के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इनमें डेरेक ओश्ब्रायन, शताब्दी रॉय, महुआ मोइत्रा, बापी हलदर, साकेत गोखले, प्रतिमा मंडल, कीर्ति आजाद और डॉ. शर्मिला शामिल थे। गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे इन टीएमसी सांसदों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। ध्यान रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यशैली पर सुप्रीम कोर्ट ने भी कड़ी नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने ईडी द्वारा वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए समन भेजने पर कहा कि एजेंसी हर हद पार कर रही है, जो वकालत जैसे स्वतंत्र पेशे के लिए खतरनाक है। कोर्ट ने कहा कि वकील और मुवक्किल के बीच की बातचीत गोपनीय होती है, और उसमें दखल नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से वकीलों को तलब करने के मामले में सुनवाई की थी। इस दौरान कोर्ट ने ईडी की कैर्यशैली को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी वकीलों को समन भेजकर हर हद पार कर रही है, जो कानून के पेशे की स्वतंत्रता पर खतरा बन सकता है। इस मामले में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की, जब कोर्ट ने इस मुद्दे पर खुद संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की। यह सुनवाई उन मामलों से जुड़ी है जिनमें वकीलों को सिर्फ अपने मुवक्किलों को कानूनी सलाह देने पर ईडी ने नोटिस भेजे थे। मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा था कि वकील और मुवक्किल के बीच की बातचीत एक गोपनीय संवाद होती है। ऐसे में वकीलों को नोटिस भेजना सरासर गलत है। अब पश्चिम बंगाल का मामला भी कोर्ट के सामने आया है। ¼fgQh½

ट्रम्प की गिद्ध दृष्टि ग्रीनलैण्ड पर

Vमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गिद्ध दृष्टि वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैण्ड पर लगी है। इसके साथ ही रूस पर प्रतिबंध को लेकर भी अमेरिका रुकने का नाम नहीं ले रहा है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडस ग्राहम ने रूस प्रतिबंध विधेयक पेश किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य बताना एक बार फिर वैश्विक राजनीति में हलचल पैदा कर रहा है। व्हाइट हाउस ने यह पुष्टि कर दी है कि ग्रीनलैंड को लेकर सभी विकल्प खुले हैं। यहां तक कि सैन्य कार्रवाई भी। हालांकि यह केवल कई आर्थिक राजनीतिक और कूटनीतिक विकल्पों में से एक हैए लेकिन यदि ऐसा हुआ तो यह नाटो के इतिहास का सबसे बड़ा संकट बन सकता है क्योंकि यह एक नाटो सदस्य देश द्वारा दूसरे नाटो सदस्य पर हमला होगा।

ग्रीनलैंड–भले ही भौगोलिक रूप से विशाल हो लेकिन इसकी आबादी महज 58,000 के आसपास है। इनमें से एक–तिहाई लोग राजधानी नूक में रहते हैं जबकि बाकी अधिकतर पश्चिमी तट पर बसे हैं। इस द्वीप का अपना कोई स्वतंत्र सैन्य बल नहीं है और इसकी रक्षा की जिम्मेदारी डेनमार्क के पास है जिसके पास सीमित हवाई और नौसैनिक संसाधन हैं। कई इलाकों में तो सुरक्षा केवल डेनमार्क की विशेष इकाई सिरियस पेट्रोल, के भरोसे है जो आज भी कुत्तों की स्लेज पर गश्त करती है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका यदि चाहे तो ग्रीनलैंड पर तेज और निर्णायक सैन्य अभियान चला सकता है। अमेरिका की अलास्का स्थित 11वीं एयरबोर्न डिवीजन, जो आर्कटिक परिस्थितियों में लड़ाई के लिए प्रशिक्षित है, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन की रीढ़ बन सकती है। इसके अलावा ग्रीनलैंड के उत्तर–पश्चिम में स्थित पिटुफिक सैन्य अड्डे पर पहले से ही 100 से अधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जो किसी भी कार्रवाई के लिए लॉजिस्टिक आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा कदम अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा और अमेरिका–यूरोप संबंधों को गहरी चोट पहुंचाएगा।

सैन्य विकल्प के अलावा ग्रीनलैंड को खरीदने की चर्चा भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कांग्रेस के कुछ सदस्यों से कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता यही रास्ता है। हालांकि न तो ग्रीनलैंड और न ही डेनमार्क इस द्वीप को बेचने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा इस तरह के सौदे के लिए अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी सीनेट में दो.तिहाई समर्थन और यूरोपीय संघ की सहमति भी जरूरी होगी, जो इसे बेहद जटिल बनाता है।

एक और संभावित रास्ता ग्रीनलैंड के लोगों को प्रभावित करने का है। जनमत सर्वेक्षण बताते हैं कि ग्रीनलैंड के लोग डेनमार्क से स्वतंत्रता तो चाहते हैं, लेकिन अमेरिका का हिस्सा बनना नहीं। इसके बावजूद अमेरिका आर्थिक प्रलोभन, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के जरिए वहां प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। फिलहाल, ग्रीनलैंड की कोई भी राजनीतिक पार्टी अमेरिका में शामिल होने की वकालत नहीं कर रही है। कई विश्लेषकों का मानना है कि ग्रीनलैंड का भविष्य अमेरिका से ज्यादा यूरोप के साथ जुड़ा हो सकता है। ऐसे में ट्रंप की यह महत्वाकांक्षा केवल शक्ति प्रदर्शन नहींए बल्कि आर्कटिक क्षेत्र में संसाधनों, रणनीति और वैश्विक प्रभुत्व की लड़ाई का संकेत देती है जिसके परिणाम दूरगामी और निर्णायक हो सकते हैं।

दूसरी तरफ अमेरिकी राजनीति में एक बार फिर रूस–यूक्रेन युद्ध को लेकर सख्त रुख उभरता दिख रहा है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक (रशिया संक्शनसबिल) को "ग्रीनलाइट" दे दी है। यदि यह विधेयक अमेरिकी सीनेट में पारित हो जाता है, तो इसके प्रभाव केवल रूस तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे उन देशों पर भी पड़ सकते हैं जो रूस से तेल, गैस या यूरेनियम खरीद रहे हैं।

यह विधेयक रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य रूस की अर्थव्यवस्था पर ऐसा दबाव बनाना है जिससे उसकी युद्ध क्षमता कमजोर हो जाए। विधेयक के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया जाएगा कि वे रूस से ऊर्जा संसाधन खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक का भारी–भरकम टैरिफ और द्वितीयक प्रतिबंध (सेकेंडरी सैंक्शन्स) लगा सकें।

ग्राहम का कहना है कि उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की, जहां राष्ट्रपति ने इस बिल को समर्थन देने की बात कही। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। ग्राहम के अनुसार, यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब यूक्रेन शांति वार्ता के लिए कुछ रियायतें देने को तैयार है, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन केवल बयानबाजी कर रहे हैं और हिंसा जारी है।

इस प्रस्तावित कानून का मकसद रूस की आय के मुख्य स्रोत–तेल, गैस और यूरेनियम को निशाना बनाना है। अमेरिका का मानना है कि इन्हीं संसाधनों से मिलने वाला राजस्व रूस की सैन्य मशीनरी को ईंधन देता है। यदि रूस के व्यापारिक साझेदारों पर कठोर आर्थिक दंड लगाया जाता है, तो मॉस्को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक अलग–थलग पड़ सकता है।

हालांकि, इस विधेयक को लेकर कुछ व्यावहारिक और कूटनीतिक सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूसी तेल पर निर्भर रहे हैं, इस कदम को आर्थिक दबाव और रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देख सकते हैं। चीन और ब्राजील पर भी इसका असर पड़ सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार संतुलन और भू–राजनीति में नई दरारें उभरने की आशंका है।

फिलहाल, सीनेट में इस बिल पर मतदान अगले सप्ताह हो सकता है, हालांकि सरकारी फंडिंग और अवकाश कार्यक्रमों के कारण समय–सीमा स्पष्ट नहीं है। ट्रंप प्रशासन समानांतर रूप से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते की कोशिशों में भी लगा है, जिसमें विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कुल मिलाकर, रूस प्रतिबंध विधेयक केवल एक आर्थिक कदम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला फैसला साबित हो सकता है, जिसके दूरगामी प्रभाव अमेरिका से कहीं आगे तक महसूस किए जाएंगे। ¼fgQh½

तालकटोरा क्षेत्र में ट्रेन से कटकर युवक-युवती की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ(संवाददाता)। थाना तालकटोरा क्षेत्र के आलमनगर स्टेशन के पास रेलवे जलालपुर फाटक (डाउन लाइन) पर आज 10 जनवरी 2026 को एक पुरुष एवं एक महिला द्वारा ट्रेन से कटकर आत्महत्या किए जाने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना प्राप्त होते ही थाना तालकटोरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन किया गया।मौके से प्राप्त आधार कार्ड के आधार पर प्रथमदृष्टया मृतकों की पहचान दीपाली (उम्र लगभग 25 वर्ष), निवासी अर्जुनगंज, लखनऊ तथा सूर्यकान्त (उम्र लगभग 40 वर्ष), निवासी निशातगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य विधिक औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं।थाना सुशांत गोल्फ सिटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका दीपाली की गुमशुदगी दो दिन पूर्व दर्ज कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि दोनों मृतक थाना कैंट क्षेत्र के सदर स्थित एक निजी कार्यालय में एक साथ कार्यरत थे। जांच के दौरान यह भी ज्ञात हुआ है कि सूर्यकान्त पूर्व से विवाहित था, जबकि दीपाली अविवाहित थी।घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि मौके पर शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आत्महत्या के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

अखिलेश यादव ने मुरादाबाद और देवरिया के दिवंगत बीएलओ के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में मुरादाबाद और देवरिया के दिवंगत बीएलओ के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एसआईआर ड्यूटी के दौरान अत्यधिक कार्य दबाव के चलते आत्महत्या करने वाले या हार्ट अटैक से जान गंवाने वाले बीएलओ और कर्मचारियों के साथ समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी है और हर संभव सहयोग करती रहेगी।अखिलेश यादव ने पूर्व में घोषणा की थी कि एसआईआर ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले बीएलओ को समाजवादी पार्टी की ओर से 2–2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसी क्रम में उन्होंने मुरादाबाद के बीएलओ सर्वेश सिंह जाटव की पत्नी बबली देवी को 2 लाख रुपये का चेक सौंपा। सर्वेश सिंह जाटव कंपोजिट विद्यालय जाहिदपुर सीकमपुर, ब्लाक भगतपुर टांडा, मुरादाबाद में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे और एसआईआर से जुड़ी जिम्मेदारियों के निर्वहन के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी।इसके साथ ही अखिलेश यादव ने देवरिया जनपद के सलेमपुर तहसील में तैनात लेखपाल एवं बीएलओ आशीष कुमार की पत्नी कंचन को भी 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। आशीष कुमार ग्राम धनगड़ा (बरवापलासी), पोस्ट ठेगलवा, जनपद देवरिया के निवासी थे। इसके अलावा ग्राम माझका नरायन, बूथ संख्या–7, विधानसभा रुद्रपुर पर कार्यरत बीएलओ जगदम्बा दुबे की पत्नी रंजू देवी को भी 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाओं में बीएलओ और कर्मचारियों पर अत्यधिक मानसिक और शारीरिक दबाव डाला जा रहा है,

बीबीएयू में विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का भव्य शुभारम्भ

विकसित भारत,2047 के संकल्प पर हुआ व्यापक विमर्श

लखनऊ(संवाददाता) स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 10 जनवरी को विश्वविद्यालय दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह का भव्य शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एवं चाणक्य विश्वविद्यालय, बैंगलोर के प्रो. के. वी. राजू रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बीबीएयू के पूर्व कुलपति प्रो. बी. हनुमैया तथा मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सलाहकार, शिक्षा, योजना आयोग, भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति और राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. फुरकान कमर उपस्थित रहे। मंच पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा एवं प्रो. कुशेंद्र मिश्रा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय कुलगीत का गायन हुआ तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। प्रारम्भ में कार्यक्रम संयोजक प्रो. राम चंद्रा ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी। मंच संचालन डॉ. लता बाजपेयी सिंह द्वारा किया गया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि बीबीएयू की विकास यात्रा शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक निर्माण की एक सशक्त प्रक्रिया रही है, जिसमें विचारों ने केंद्रीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विचार नवाचार को जन्म देते हैं, नवाचार से उद्यम विकसित होते हैं और उद्यम से राष्ट्र निर्माण संभव होता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सशक्त होना आवश्यक है, क्योंकि देश की प्रगति केवल आर्थिक मजबूती से नहीं, बल्कि समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने संस्थागत विकास योजना को एक जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह विकसित भारतदृ2047 के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने वाली होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने रोजगारपरक शिक्षा, अप्रेंटिसशिप, उद्यमिता, कौशल आधारित सूक्ष्म पाठ्यक्रमों, तकनीक के प्रभावी उपयोग और मानसिक संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर लौटने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता रेखांकित की।मुख्य अतिथि प्रो. के.वी. राजू ने विश्वविद्यालय की 30 वर्षों की विकास यात्रा को उपलब्धियों से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि अब आने वाले 22 वर्षों के लिए विकसित भारतदृ2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट, दूरदर्शी और परिणाम आधारित लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। उन्होंने संस्थागत विकास योजना की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यही योजना विश्वविद्यालय की दिशा और प्रभाव तय करती है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण, कौशल आधारित उच्च गुणवत्ता वाले पाठ्यक्रमों और वैश्विक मानकों पर विश्वविद्यालय के आकलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि बीबीएयू को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की पहली पसंद बनाने के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक और तकनीकी वातावरण विकसित करना होगा। साथ ही पब्लिकदृप्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देकर संस्थागत विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है।विशिष्ट अतिथि प्रो. बी. हनुमैया ने विश्वविद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों और अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों से प्रारम्भ हुआ यह संस्थान आज आधुनिक आधारभूत संरचना, विविध पाठ्यक्रमों, गुणवत्ता युक्त शोध और नवाचार के साथ निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय परिवार के समर्पित प्रयासों को दिया।मुख्य वक्ता प्रो. फुरकान कमर ने कहा कि बीबीएयू की गुणवत्ता युक्त शिक्षा, सुदृढ़ ढांचा, उत्कृष्ट शोध और नैक ए सहित अन्य प्रतिष्ठित रैंकिंग्स विश्वविद्यालय की समृद्ध विकास यात्रा का प्रमाण हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने, समावेशी और न्यायसंगत नीतियों, शिक्षा में निवेश, 3थ्कृफंडिंग, फैकल्टी और फ्रीडमकृकी आवश्यकता तथा आलोचनात्मक चिंतन आधारित ज्ञान पर विशेष बल दिया।कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय मीडिया सेंटर द्वारा तैयार की गई एक प्रभावशाली डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विकास गाथा से संबंधित पुस्तिका और संस्थागत विकास योजना की बुकलेट का विमोचन भी किया गया। प्रो. कुशेंद्र मिश्रा द्वारा संस्थागत विकास योजना के प्रारूप की प्रस्तुति दी गई तथा आयोजन समिति की ओर से अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। अंत में प्रो. शूरा दारापुरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मडियांव पुलिस ने अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

लखनऊ(संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना मडियांव पुलिस टीम ने अवैध असलहा रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध पिस्टल 7.65 बोर तथा चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जिनमें दो कारतूस 7.65 बोर और दो कारतूस 9 एमएम बोर के हैं। इस कार्रवाई को अपराध की रोकथाम और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई 9 जनवरी 2026 को की गई, जब थाना मडियांव की पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त, जुर्म जरायम की रोकथाम, वांछित और वारंटी अभियुक्तों की तलाश तथा संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चौकी क्षेत्र रामराम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मडियांव पुल के नीचे एक व्यक्ति अवैध देशी पिस्टल के साथ खड़ा है और यदि तत्काल कार्रवाई की जाए तो उसे पकड़ा जा सकता है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और मुखबिर द्वारा बताए गए व्यक्ति को पकड़ लिया।पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मो. कामरान पुत्र मो. इमरान निवासी पजाया, बिलाली मस्जिद के पास, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग 23 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से कार मैकेनिक है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल 7.65 बोर, दो जिंदा कारतूस 7.65 बोर तथा दो जिंदा कारतूस 9 एमएम बोर बरामद हुए। इसके बाद अभियुक्त को उसके द्वारा किए गए अपराध से अवगत कराते हुए आर्म्स एक्ट की धारा 3ध्5ध्7ध्25 के तहत रात करीब 22रू10 बजे हिरासत में ले लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी, निगरानी और बरामदगी की पूरी कार्रवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना मडियांव में मुकदमा संख्या 15ध्2026 धारा 3ध्5ध्7ध्25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।प्रारंभिक पूछताछ में अभियुक्त ने अवैध पिस्टल शौक के लिए अपने पास रखने की बात कही है। हालांकि पुलिस इस बयान की गहनता से जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि अवैध असलहा उसे कहां से प्राप्त हुआ तथा इसका किसी आपराधिक घटना से कोई संबंध तो नहीं है। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों और जनपदों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध असलहों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।–

युवक–युवती ट्रेन के आगे कूदे, मौत,एक साथ आफिस में करते थे काम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में युवक–युवती ट्रेन के आगे कूद गए। उनकी टुकड़ों में कटी लाश ट्रैक किनारे पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस सुसाइड के कारणों की जांच कर रही है। घटना तालकटोरा थाना क्षेत्र में पारा क्रॉसिंग के पास शनिवार दोपहर पौने 2 बजे हुई।

वोटर लिस्ट में हेराफेरी की साजिश कर रही भाजपा सरकार :अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। शनिवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से पीडीए समाज के वोट काटने और अपने पक्ष में वोट बढ़ाने के निर्देश दे रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि एक अखबार में यह खबर प्रकाशित हुई है कि सरकार ने प्रत्येक बूथ पर 200 वोट बढ़ाने का निर्देश दिया है, जो न केवल लोकतंत्र बल्कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि क्या यह कल्पना की जा सकती है कि कोई राजनीतिक दल वोट बढ़ाने के लिए प्रशासन को निर्देश दे। इसके लिए अलग–अलग जिलों में अधिकारियों को भेजा जा रहा है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया जा रहा कि ये अधिकारी कौन हैं और उनकी सूची कहां है।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इस साजिश को रोकने के लिए अपने सभी बीएलए और बूथ प्रहरियों को एक विशेष प्रारूप उपलब्ध कराया है। जहां भी फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता बनते दिखाई देंगे, वहां तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि एफआईआर का पूरा प्रारूप तैयार कर दिया गया है, जिसमें केवल नाम भरकर शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और फर्जीवाड़े पर तुरंत कार्रवाई हो।उन्होंने कहा कि जब एसआईआर जैसी इतनी बड़ी प्रक्रिया चल रही है, तो मतदाता सूची में केवल वास्तविक मतदाताओं के नाम ही होने चाहिए। लेकिन स्थिति यह है कि राज्य निर्वाचन आयोग और केंद्रीय चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों में करोड़ों मतदाताओं का अंतर सामने आ रहा है, जबकि दोनों सूचियां तैयार करने वाले बीएलओ और अधिकारी वही हैं। अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि जब मतदाता वही हैं और अधिकारी भी वही हैं, तो दोनों सूचियों में इतना बड़ा अंतर क्यों है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सही मतदाता सूची कौन सी है और यह अंतर आखिर किन कारणों से उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आयोग इन गंभीर सवालों का जवाब देगा।अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि आधार कार्ड को मेटल का बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा संभव न हो सके। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है कि 1.93 करोड़ मतदाताओं की मैपिंग होने के बाद उन्हें अब अनमैप्ड कर दिया गया है। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर मामला बताते हुए कहा कि एक बार मैपिंग हो जाने के बाद लगभग दो करोड़ मतदाताओं को फिर से अनमैप्ड किया जाना किसी एरर का परिणाम नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया कदम है। उनका आरोप था कि भाजपा जानबूझकर ऐसी गलतियां कराती है, ताकि आम लोग और विपक्ष उलझा रहे। उन्होंने कहा कि अब इन अनमैप्ड मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस भेजकर जांच की जाएगी और इस प्रक्रिया में कुल लगभग तीन करोड़ मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं, जबकि पहले कहा गया था कि जिनकी मैपिंग हो चुकी है, उन्हें कोई नोटिस नहीं भेजी जाएगी।अखिलेश यादव ने यह भी सवाल उठाया कि मतदाता मैपिंग के लिए उपयोग में लाई जा रही एप किसकी है।

मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम के तहत कांग्रेस ने प्रदेशभर में शुरू किया जनआंदोलन, लखनऊ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने किया अभियान का आगाज

लखनऊ(संवाददाता)। मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किए गए "मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम" के तहत शुक्रवार को पूरे प्रदेश में जिला और शहर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों ने एक साथ प्रेसवार्ता कर अभियान के प्रथम चरण की औपचारिक शुरुआत की। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर मनरेगा को कमजोर और समाप्त करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया।लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी वॉर रूम के प्रभारी संजय दीक्षित और स्टेट वॉर रूम के जोनल हेड राघवेन्द्र उपाध्याय भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को ग्रामीण भारत के लिए जीवनरेखा बताते हुए इसे बचाने के लिए सड़कों से लेकर जनआंदोलन तक का रास्ता अपनाने का ऐलान किया।प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा कांग्रेस शासनकाल की सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के करोड़ों गरीब परिवारों की जीवनरेखा है। यह योजना भूख, बेरोजगारी और मजबूरी में होने वाले पलायन के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच है। मनरेगा ने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को सम्मान के साथ काम करने का अधिकार दिया है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद मनरेगा में ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य इस अधिकार आधारित कानून को कमजोर करना और धीरे–धीरे खत्म करना है। भाजपा सरकार इसे कानून के दायरे से बाहर कर महज एक सामान्य योजना में बदलना चाहती है, जिससे मजदूरों का वैधानिक अधिकार समाप्त हो जाएगा। कांग्रेस पार्टी इस मजदूर विरोधी साजिश को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी और इसके खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करेगी।प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी वॉर रूम के प्रभारी संजय दीक्षित ने कहा कि ग्रामीण आजीविकाओं पर हो रहे इस गंभीर हमले को देखते हुए कांग्रेस कार्यसमिति ने 27 दिसंबर 2025 को हुई अपनी बैठक में सर्वसम्मति से "मनरेगा बचाओ संग्राम" नामक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। यह आंदोलन गांव, पंचायत और जिला स्तर तक ले जाया जाएगा ताकि ग्रामीण जनता को मनरेगा के महत्व और भाजपा सरकार की नीयत से अवगत कराया जा सके।उन्होंने कहा कि मनरेगा एक अधिकार आधारित कानून है, जो हर ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार मांगने का कानूनी अधिकार देता है। इस कानून के तहत राज्य सरकार की यह बाध्यता है कि 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराए, अन्यथा बेरोजगारी भत्ता देना पड़े। यही वैधानिक गारंटी मनरेगा की आत्मा है, जिसे भाजपा सरकार खत्म करना चाहती है। कांग्रेस पार्टी इस अधिकार को बचाने के लिए पूरे देश में संघर्ष करेगी और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने बेनकाब करेगी।कांग्रेस नेताओं ने साफ शब्दों में कहा कि मनरेगा को कमजोर करना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण समाज के साथ सीधा अन्याय है। "मनरेगा बचाओ आन्दोलन संग्राम" के माध्यम से कांग्रेस पार्टी गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और इस कानून को बचाने के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेग

लखनऊ पुलिस का सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंगई के खिलाफ सख्त अभियान, 1171 लोगों पर कार्रवाई, 89 वाहनों का चालान

लखनऊ(संवाददाता)। शहर में सार्वजनिक शांति, कानून–व्यवस्था और सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंगई के खिलाफ विशेष एवं सखघ्त अभियान चलाया। यह अभियान 9 जनवरी 2026 की शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक सभी जोनों और थानों में एक साथ संचालित किया गया। अभियान के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों, दुकानों के आसपास और सड़कों के किनारे व्यापक चेकिंग की गई।पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में एसीपी और थाना प्रभारियों की टीमों ने अभियान को अंजाम दिया। इस दौरान शहर के कुल 195 स्थानों पर चेकिंग की गई और 3657 व्यक्तियों की जांच की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए जाने पर 1171 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 34 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किए गए, जबकि यातायात नियमों के उल्लंघन पर 89 वाहनों का भी चालान किया गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव और हुड़दंगई करने वाले 7 व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 270 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई और संबंधित लोगों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी गई।अभियान के दौरान दुकानों के बाहर बैठकर शराब पीने, दुकानों के पास खड़े होकर खुलेआम शराब सेवन करने, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने, निर्धारित समय के बाद खुली पाई गई दुकानों और ढाबों, तथा शराब के नशे में सड़क पर उत्पात, अभद्र व्यवहार और गाली–गलौज करने वालों के खिलाफ सखघ्ती से कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों ने सड़कों, पार्कों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, चौराहों और अन्य भीड़–भाड़ वाले इलाकों में गहन चेकिंग कर अनुशासनहीन तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया।जोनवार कार्रवाई में उत्तरी जोन में 33 स्थानों पर चेकिंग कर 466 व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें 115 पर कार्रवाई हुई। दक्षिणी जोन में 52 स्थानों पर 800 व्यक्तियों की जांच में 311 पर चालान किया गया। पूर्वी जोन में 28 स्थानों पर 632 व्यक्तियों की जांच के दौरान 151 पर कार्रवाई हुई। पश्चिमी जोन में 48 स्थानों पर 1282 व्यक्तियों की जांच कर 433 पर चालान किया गया, जबकि मध्य जोन में 34 स्थानों पर 477 व्यक्तियों की जांच में 161 पर कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर शहरभर में 195 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 3657 व्यक्तियों की जांच की गई और 1171 के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई।लखनऊ पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन कर सामाजिक माहौल को खराब न करें, अन्यथा सखघ्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून–व्यवस्था भंग करने वाले और सार्वजनिक अनुशासन को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

शहर के सभी जोनों में जलकल विभाग का व्यापक मरम्मत अभियान, पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की दिशा में तेज कार्रवाई

लखनऊ(संवाददाता)। नगर निगम के जलकल विभाग ने शनिवार को शहरवासियों को निर्बाध और सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी जोनों में व्यापक स्तर पर पाइपलाइन मरम्मत और संबंधित तकनीकी कार्य कराए। नगर आयुक्त गौरव कुमार और जीएम जलकल कुलदीप सिंह के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में यह अभियान चलाया गया, जिसे जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।जलकल विभाग की अलग–अलग टीमों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में पाइपलाइन लीकेज, क्षतिग्रस्त जललाइन, चोक सीवर, ओवरफ्लो टंकियों और अन्य तकनीकी समस्याओं को चिन्हित कर मौके पर ही त्वरित समाधान किया। जोन–1 से लेकर जोन–8 तक कई प्रमुख क्षेत्रों में मरम्मत और सुधार कार्य किए गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही जल आपूर्ति से जुड़ी परेशानियों से राहत मिली।जोन–1 में योजना भवन के पास, कंधारी बाजार लालबाग, लापलाश कॉलोनी शिवनगर, वजीरगंज, मौलवीगंज और हरी नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत और वाशिंग का कार्य किया गया। वहीं जोन–2 में बड़ा इमामबाड़ा क्षेत्र, राजाजीपुरम सी–ब्लॉक, गुलमोहर कॉलोनी, गढ़ी कनौरा और श्रम विहार में लीकेज सुधार के साथ–साथ करेहटा टंकी की सफाई कराई गई। इन इलाकों में लंबे समय से जलदबाव की समस्या बनी हुई थी, जिसे काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया है।जोन–3 में जानकीपुरम विस्तार, ट्रॉमा सेंटर क्षेत्र सेक्टर–2 और ओएचटी सेक्टर–8, मडियांव गांव में नाले के पास चार स्थानों पर पाइपलाइन मरम्मत की गई। इसके साथ ही जानकीपुरम सेक्टर–3, त्रिवेणी नगर और रहीम नगर क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत के साथ नई लाइन बिछाने और टंकी सफाई का कार्य भी किया गया। विज्ञान पुरी और हार्नर क्षेत्र में ट्यूबवेल की मरम्मत कर जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। जोन–4 में विराज खंड–1, विकल्प खंड–3, विनीत खंड–3 और काल्विन कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में लीकेज सुधार और कनेक्शन ठीक किए गए।जोन–5 और जोन–6 में भोला खंड, दुर्गापुरी, आशियाना नगर, विक्रम नगर, साजन मैरिज हॉल और साबिक निवास क्षेत्रों में पाइपलाइन मरम्मत, नई पाइपलाइन डालने और चोक लाइन खोलने जैसे कार्य पूरे किए गए। वहीं जोन–7 में सेक्टर–17, सेक्टर–9 इंदिरा नगर और विकास भवन के आसपास सीवर और जललाइन से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। जोन–8 में रेल नगर आशियाना और हिंद नगर क्षेत्रों में लीकेज मरम्मत के साथ स्टैंड पोस्ट लगाने जैसे आवश्यक कार्य किए गए।अधिकारियों के अनुसार सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरे किए गए, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो। जीएम जलकल कुलदीप सिंह ने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देशानुसार जलकल विभाग द्वारा शहर के सभी जोनों में नियमित निरीक्षण कर जलापूर्ति और सीवर से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। जहां भी पाइपलाइन लीकेज, जलदबाव में कमी या सीवर चोक होने की शिकायत मिलती है, वहां तुरंत टीम भेजकर कार्रवाई की जाती है। शनिवार को किया गया यह अभियान उसी क्रम का हिस्सा है और आगे भी यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।जलकल विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि पानी की आपूर्ति, पाइपलाइन लीकेज या सीवर से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। जलकल विभाग के कंट्रोल रूम नंबर 8177054100, 8177054003 और 8177054010 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जिला प्रभारी ने एसपी को दी नववर्ष की बधाई

लखीमपुर–खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के डीआईजी पद पद प्रमोशन होने पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला प्रभारी विजय कुमार मिश्र उर्फ विपिन ने पत्रकार रजत शर्मा, नीरज जायसवाल के साथ पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा से मिलकर पुलिस अधीक्षक के पद से डीआईजी पद पर प्रमोशन के साथ साथ नववर्ष की बधाई देते हुए कहा, आपको वर्ष 2026 के आगमन की मधुरिम बेला आंग्ल नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ आपके पुलिस अधीक्षक पद से डी०आई०जी० पद पर प्रमोशन का समाचार सुनकर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद लखीमपुर खीरी के पदाधिकारी होने के नाते भी मुझे बहुत प्रसन्नता है। आपको इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण लखीमपुर–खीरी जनपद को गर्व है। आपकी कड़ी मेहनत समर्पण और सेवा ने आपकी नेतृत्व क्षमता कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार जनता एवं विभाग के प्रति नेक व्यवहार में आपको इस पद तक पहुंचाया है। इसी कर्म पथ अग्रसारित रहकर जो कार्य किया आज उसी का प्रतिफल डी०आई०जी० पद पर पदोन्नति होना यह पल गौरव का विषय है।

मजदूर पर बाघ ने गन्ने के खेत में ने किया हमला किसानों ने बचाई जान इलाके में दहशत

लखीमपुर खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व के मझगईं वन रेंज के अंतर्गत आने वाले बेला कलां क्षेत्र में बाघ का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को गन्ना छीलने गए 60 वर्षीय मजदूर पर बाघ ने हमला कर दिया। किसानों के साहस और शोर–शराबे के कारण बाघ मजदूर को छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला। घायल मजदूर को गंभीर अवस्था में पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बेलाकलां निवासी वाजिद अली (60 वर्ष) गांव के ही अरुण सिंह के खेत में मजदूरी पर गन्ना छीलने गए थे। दोपहर के समय जब वह काम कर रहे थे कि तभी झाड़ियों से निकलकर आए बाघ ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। बाघ ने वाजिद की पीठ और हाथ पर अपने पंजों से गहरे घाव कर दिए। चीख–पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे अन्य मजदूर और किसान हाथों में गन्ना लेकर बाघ की ओर दौड़े और शोर मचाया। इस पर बाघ वाजिद को छोड़कर गन्ने के खेत में ओझल हो गया।

घटना के बाद इलाके में दहशत

किसानों ने घायल के परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से घायल वाजिद अली को पलिया सीएचसी ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत फैली हुई है। किसान खेतों पर जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि बाघ को जल्द से जल्द पकड़ कर आबादी वाले क्षेत्र से दूर भेजा जाए ताकि लोग सुरक्षित होकर खेतीबाड़ी कर सकें।मझगईं रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए पहले से ही पिंजरा लगाया गया है। शनिवार सुबह भी बाघ को क्षेत्र में देखा गया था। वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है। घटनास्थल का निरीक्षण कर वहां भी पिंजरा लगाया जाएगा और ग्रामीणों को समूह में निकलने की सलाह दी गई है।

हेमू कालाणी बलिदान दिवस के पूर्व होगी टेबल टेनिस प्रतियोगिता

अयोध्या। नववर्ष पर सिंधु सेवा समिति की साधारण सभा की बैठक

बचपन प्ले स्कूल में आहुत हुई जिसकी अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष अमृत राजपाल व संचालन महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल ने किया। संस्था अध्यक्ष अमृत राजपाल ने बैठक को संबोधित कर नववर्ष 2026 की सभी को बधाई देते हुए कहा कि सिंधी समाज के लिए सामाजिक रूप से आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से 2026 में और सशक्त बनेगा और कहा कि संपूर्ण सिंधी समाज के सहयोग से" प्रभु झूलेलाल चिकित्सा सहायता फंड" का गठन कर समाज के जरूरतमंदों लोगों के इलाज में मदद की जाएगी एवं सभी के सहयोग का आह्वाहन किया। संस्था महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल ने बताया कि अमर शहीद हेमू कालाणी के बलिदान के पूर्व 17,18 जनवरी को महिलापुरुष एवं बच्चों के लिए टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। साईं नितिन राम का शाल पाखर पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। संस्था संरक्षक मोहन मध्यान ने बताया कि नववर्ष पर पदाधिकारियों की तंबोला (होजी) व संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः कमल रावलानी,सौरभ लखमानी,राजकुमार रामानी,नारायण दास केवल रामानी,तेज कुमार माखेजा एवं संगीत के सर्वश्रेष्ठ गायक तुलसी मलकानी,जगदीश चंदानी को पुरस्कृत किया गया। बैठक में साईं नितिन राम जी,संस्था संरक्षक गिरधारी चावला, संरक्षक ओम अंदानी, संरक्षक भीमन दास माखेजा, संरक्षक कमलेश केवलानी, मुखिया धर्मपाल रावलानी आदि ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष सुरेश पंजवानी,उपाध्यक्ष राकेश तलरेजा, कोषाध्यक्ष सुनील मंध्यान,संजय मदान,मंत्री पुरुषोत्तम दासवानी, गोविंद चावला, कन्हैया लाल सागर, मंत्री राजकुमार रामानी, नारायण दास केवल रामानी, बलदेव आडवाणी, विजय लखमानी, सुखदेव साधवानी, अशोक अंदानी, राजू गाइड ,कमल रावलानी, मनीष मंध्यान, धनेश बजाज,कैलाश साधवानी, सौरभ लखमानी,संजय सावलानी,दिलीप बजाज, राजीव मदान, डॉ कीर्ति मदान, सुमित माखेजा, कपिल हासानी, संजय कुमार, विनोद बजाज, राजेश जसवानी, कन्हैया लाल माखेजा, संतोष रायचंदानी,गौरव मदनानी, रूपचंद, बंटी माखेजा, अनिल माखेजा, संजय वलेचा, सुरेश तलरेजा,घनश्याम राहेजा, विनोद हिंगोरानी, श्याम लाल माखेजा, कमलेश माखेजा, रोहित बिजलानी, विशेष आमंत्रित सदस्यों में जय कुमार आहूजा, नरेश क्षेत्रपाल, ज्ञान मोटवानी, ज्ञान केशवानी,वासुदेव चंदानी, जय मध्यान आदि मौजूद रहे।

फतेहपुर बना प्रदेश का पहला जिला, एआई आधारित एप से बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल

लखनऊ।योगी सरकार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़कर अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक के व्यापक उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में फतेहपुर जिले ने एक मिसाल पेश की है। जिले में एआई आधारित 'स्मार्ट वैक्सीनेशन ट्रैकिंग सिस्टम' विकसित कर बच्चों के टीकाकरण की प्रभावी निगरानी शुरू की गई है।इस अभिनव पहल के साथ फतेहपुर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां बच्चों के शत–प्रतिशत टीकाकरण लक्ष्य को हासिल करने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। फिलहाल इस सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आकांक्षात्मक ब्लॉक हथगाम में एक सितंबर से लागू किया गया है। सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद अब इसे पूरे जिले में विस्तार देने की तैयारी की जा रही है। इस एप के माध्यम से ब्लॉक में टीकाकरण की दर बढ़कर लगभग 95 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।फतेहपुर के जिलाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य सेवाओं को टेक्नोलॉजी से जोड़ने के विजन को ध्यान में रखते हुए बच्चों के टीकाकरण की निगरानी के लिए यह एआई आधारित एप विकसित किया गया है। एप के माध्यम से नवजात शिशुओं और बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां उनके अभिभावकों को समय पर व्हाट्सएप के जरिए उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही आसपास आयोजित होने वाले वीएचएनडी (विलेज हेल्थ एंड न्यूट्रिशन डे) सत्रों की सूचना भी दी जा रही है, जिससे अभिभावक समय रहते अपने बच्चों का टीकाकरण करा सकें।डीएम रविंद्र सिंह ने बताया कि इस एप की सबसे बड़ी खासियत एआई तकनीक के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग और डेटा एनालिसिस है। इसके माध्यम से उन क्षेत्रों की पहचान आसानी से की जा रही है, जहां टीकाकरण की दर कम है या बच्चे किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह जा रहे हैं। एआई आधारित विश्लेषण से न केवल समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान हो रही है, बल्कि उसके कारणों को भी चिन्हित कर त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।एप के जरिये टीकाकरण से पहले माताओं को स्वतः रिमाइंडर संदेश भेजे जाते हैं, जिससे भूल या जानकारी के अभाव में टीकाकरण छूटने की समस्या को प्रभावी ढंग से रोका जा रहा है। इसके अलावा टीकों की मांग और आपूर्ति प्रबंधन भी इस सिस्टम के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ हुआ है।स्वास्थ्य कर्मियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एएनएम के लिए एक अलग मोबाइल एप भी विकसित किया गया है। इसमें एएनएम को रियल टाइम ड्यू लिस्ट उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उन्हें यह स्पष्ट जानकारी मिलती है कि किस क्षेत्र में किन बच्चों का टीकाकरण शेष है। साथ ही ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) तकनीक के माध्यम से केवल एमसीपी कार्ड की फोटो अपलोड कर बच्चे का टीकाकरण स्टेटस अपडेट किया जा रहा है। इससे मैनुअल एंट्री में होने वाली त्रुटियों में कमी आई है और कार्य की गति भी तेज हुई है।जिलाधिकारी ने बताया कि एआई आधारित एप के विकास से पहले स्वास्थ्य विभाग, आमजन और डब्ल्यूएचओ से संवाद स्थापित किया गया था। सभी के सुझावों को शामिल करते हुए एक ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है, जो व्यवहारिक होने के साथ–साथ अत्यंत प्रभावी भी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा अपने पहले वर्ष में आवश्यक टीकों से वंचित न रह जाए।

माघ मेले में सीएम योगी का संदेश: बांटने वाली राजनीति से सावधान रहें, सनातन की एकता ही भारत की शक्ति

प्रयागराज।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को माघ मेले में आयोजित श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के 726वें प्राकट्य महोत्सव में शामिल हुए और सनातन धर्म, सामाजिक एकता तथा राष्ट्रीय चेतना पर अपने विचार व्यक्त किए। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेकुलरिज्म के नाम पर समाज को बांटने वाली राजनीति पर तीखा प्रहार करते हुए लोगों से सतर्क रहने का आह्वान किया।सीएम योगी ने कहा कि जाति, मत और संप्रदाय के आधार पर समाज को विभाजित करना हमारे लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है, जैसा कि आज बांग्लादेश में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वहां की घटनाओं पर तथाकथित सेकुलर ठेकेदार पूरी तरह मौन हैं। हिंदू समाज और सनातन धर्म को कमजोर करने में जुटे लोग बांग्लादेश में कमजोर और दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर न तो बोल रहे हैं और न ही कोई कैंडल मार्च निकाल रहे हैं। यह स्थिति हम सभी के लिए चेतावनी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग समाज को बांटने का काम करते हैं, वे कभी भी देश और समाज के हितैषी नहीं हो सकते। सत्ता में रहते हुए वे केवल अपने परिवार तक सीमित सोच रखते थे और अवसर मिलने पर फिर वही करेंगेकृपहचान का संकट, अराजकता, सनातन धर्म पर प्रहार और दंगों की आड़ में आम जन को झुलसाने का कार्य। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बांटने, तोड़ने और कमजोर करने वाली ताकतों को पनपने नहीं देना होगा।सीएम योगी ने कहा कि आने वाला समय सनातन धर्म का है। जिस प्रकार अयोध्या में भव्य राम मंदिर पर ध्वज लहरा रहा है, उसी प्रकार दुनिया भर में सनातन धर्म का झंडा फहराएगा। तब कोई भी बांग्लादेश में कमजोर और दलित हिंदुओं पर अत्याचार करने का दुस्साहस नहीं कर पाएगा।मुख्यमंत्री ने प्रयागराज की पावन धरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस भूमि को महर्षि भारद्वाज, महर्षि वाल्मीकि सहित अनेक ऋषियों ने अपनी तपस्या से सनातन धर्म का केंद्र बनाया। त्रिवेणी संगम की यह पावन भूमि, जहां मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती का संगम है, धर्म, न्याय और ज्ञान की त्रिवेणी है। देश–दुनिया से श्रद्धालु यहां आकर संगम में स्नान करते हैं और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं।सीएम योगी ने कहा कि 726 वर्ष पूर्व इसी धरती पर भक्ति शिरोमणि जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी का प्राकट्य हुआ। उन्होंने बंटे हुए समाज को जोड़ने का महान कार्य किया। रामानंदाचार्य जी ने विभिन्न जातियों और वर्गों से द्वादश शिष्यकृजिनमें कबीरदास जी, संत रविदास जी, पीपा जी, धन्ना जी और सैन जी जैसे संत शामिल हैंकृबनाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी परंपरा से निकली विभिन्न धाराएं आज भी समाज को जोड़ने का कार्य कर रही हैं।मुख्यमंत्री ने संत समाज से आह्वान किया कि दारागंज में जिस स्थल पर रामानंदाचार्य जी का प्राकट्य हुआ था, वहां उनके स्मारक और मंदिर के निर्माण के लिए सरकार पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि संत समाज जब एक मंच पर एकजुट होकर उद्घोष करता है, तो उसके सकारात्मक परिणाम अवश्य सामने आते हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संतों की साधना और एकता का ही परिणाम है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार रूप दिया।सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने राम मंदिर का दर्शन किया, शिलान्यास से लेकर प्राण–प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण तक हर ऐतिहासिक क्षण में सहभागिता निभाई। उन्होंने कहा कि सच्ची इच्छाशक्ति से ही बड़े कार्य संभव होते हैं।मुख्यमंत्री ने माघ मेले में त्रिवेणी संगम में स्नान कर मां गंगा, यमुना और सरस्वती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पौष पूर्णिमा पर 31 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जबकि पिछले पांच–छह दिनों में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी', सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्षवर्धन वाजपेयी, पीयूष रंजन निषाद, दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं देशभर से आए संत–महात्मा उपस्थित रहे।

सीएम योगी बोले- पवित्रता, संवाद और समन्वय से सकुशल संपन्न होंगे माघ मेले के सभी प्रमुख स्नान

प्रयागराज।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि पवित्रता, संवाद और समन्वय के साथ माघ मेले के सभी प्रमुख स्नान सकुशल संपन्न कराए जाएंगे। शनिवार को प्रयागराज दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रशासन की सजगता, आधुनिक तकनीक के उपयोग और विभिन्न विभागों के आपसी सहयोग से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें माघ मास में पावन त्रिवेणी के दर्शन और संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने स्मरण कराया कि गत वर्ष इसी समय महाकुंभ की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही थीं और 10 जनवरी को भी वे इसी विषय को लेकर प्रयागराज आए थे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष माघ मेला 3 जनवरी से प्रारंभ हो चुका है और 15 फरवरी तक चलेगा। इस अवधि में सभी पर्वों और स्नान आयोजनों को सकुशल संपन्न कराने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं लगातार निगरानी कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पौष पूर्णिमा के अवसर पर माघ मेले में 10 से 15 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान था, लेकिन 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान किया। भगवान वेणी माधव, बड़े हनुमान जी महाराज और अक्षयवट के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने सुरक्षित रूप से स्नान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि कल्पवासी एक माह के कल्पवास के दौरान साधना में लीन हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी की 726वीं पावन जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर भी मिला। प्रयागराज ऋषि–मुनियों और सिद्ध संतों की पावन भूमि रही है, जहां महर्षि भारद्वाज, याज्ञवल्क्य सहित अनेक महान तपस्वियों ने साधना की। दारागंज को जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी की जन्मस्थली के रूप में विशेष मान्यता प्राप्त है।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि माघ मेले के दौरान 14–15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को वसंत पंचमी, इसके बाद माघ पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के प्रमुख स्नान पर्व संपन्न होंगे। इन सभी आयोजनों के लिए संबंधित विभागों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष माघ मेले के लिए घाटों की लंबाई बढ़ाई गई है, स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत किया गया है तथा भीषण शीतलहर से बचाव के विशेष इंतजाम किए गए हैं। मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। साथ ही, 'मेला सेवा ऐप' का शुभारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं को आवश्यक सेवाएं और शिकायत निवारण की सुविधा त्वरित रूप से उपलब्ध कराई जा रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार पौष पूर्णिमा का स्नान पूरी पवित्रता, संवाद और समन्वय के साथ सकुशल संपन्न हुआ, उसी तरह माघ मेले के आगामी सभी पांच प्रमुख स्नान पर्व भी सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होंगे। प्रशासन पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है और सभी के सहयोग से माघ मेला सफल रहे।

जन जन के नेता थे कल्याण चंद्र मोहिले छुन्नन गुरु

प्रयागराज। छुन्नन गुरु स्मारक समिति के द्वारा घंटाघर चौराहे पर कल्याण चंद्र मोहिले छुन्नन गुरु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी 126 वीं जन्म जयंती मनाई गई।इस अवसर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि कल्याण चंद्र मोहिले छुन्नन गुरु जन जन के नेता थे उनका पूरा जीवन समाज सेवा को समर्पित रहा है।वो दल से बढ़कर सभी के दिलों के नेता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अनिल कुमार गुप्ता अन्नू भैया ने कहा कि छुन्नन गुरु सुलभ एवं सरल व्यक्तित्व के नेता थे हाथ में डंडा मुंह में पान छुन्नन गुरु की पहचान की रही है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद राम जी केसरवानी ने कहा कि छुन्नन गुरु प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से 1952 से लेकर 1967 तक शहर दक्षिणी मध्य से विधायक रहे। उन्होंने राजनीति को सेवा का एक आयाम दिया था जिसने आने वाली पीढ़ी के लिए एक आदर्श राजनीतिक प्रेरणा दी।इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, पार्षद सुनीता चोपड़ा, पार्षद कुसुम लता गुप्ता, पार्षद नेम यादव, पूर्व पार्षद गिरी बाबा, बद्री चौरसिया, वजीर खान, अमर वैश्य मुन्ना भैया ने छुन्नन गुरु जी के जीवन चरित्र पर दर्शन डाला। कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना मजदूर ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर राजकुमार जायसवाल, मनोज मिश्रा, श्रीश जायसवाल,आकाश चोपड़ा, महबूब उस्मानी, बब्बन दुबे, शिव शंकर केसरवानी एवं सैकड़ो समिति के कार्यकर्ता और समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

खून से लथपथ नहर किनारे मिली युवक की लाश

प्रयागराज। फूलपुर थाना अंतर्गत पराशिनपुर नहर के पास सुबह खून से लथपथ एक युवक का शव नहर के पटरी के किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा होने पर मौके पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।युवक के सर पर गहरी चोट का निशान और खून से लथपथ था। युवक की पहचान दीपक कुमार यादव उर्फ गुड्डू 26 पुत्र छोटेलाल निवासी परासिनपुर के रूप में हुई। दीपक कल शाम को दोस्त से मिलने की बात कह कर घर से निकला था लेकिन जब शाम तक दीपक घर नहीं पहुंचा तो घर वालों ने दीपक के मोबाइल पर कॉल किया लेकिन दीपक के मोबाइल पर बेल बजा लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई तो घर वाले चिंतित हो गए और खोजबीन करने लगे सुबह उसकी लाश नहर के पटरी पर मिली। 2 दिन बाद दीपक की सगाई होनी थी।

गोबर का कंडा टूट जाने की बात को लेकर मां-बेटे की पिटाई

-खेत रुंधने हेतु 13 वर्षीय बालक ले जा रहा था बेर का कांटा

-न्याय की आस में मासूम के साथ भटक रही बेटे की मां

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत मितौरा के बिजुलिया डीह गांव में गोबर का कंडा टूट जाने की मामूली सी बात को लेकर दबंगों द्वारा मां बेटे की बर्बरता पूर्वक पिटाई किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद पीड़ित मां ने पुलिस को मामले में मुकदमा दर्ज किए जाने हेतु तहरीर दी किंतु पुलिस ने तत्काल मुकदमा अलबत्ता घायल मां बेटे को चिकित्सीय परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खंडासा भेज दिया। घटना के तीन दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही न किए जाने के चलते न्याय की आस में पीड़ित मां बेटे के साथ थाने का चक्कर काट रही है। महिला कुसुम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनका 13 वर्षीय बेटा विपिन बीते 6 जनवरी को खेत को मवेशियों से बचाने हेतु बेर का कांटा लेकर बाड़ लगाने जा रहा था चक मार्ग पर गांव के ही राम जी अमन एवं ननकू के परिवार द्वारा गोबर का कंडा बना कर अवैध कब्जा कर लिया गया है। बेर के कांटों के चपेट में आकर उनका कुछ कंडा टूट गया था। इसी बात की खोलने को लेकर 7 तारीख को जब उनका बेटा शौच के लिए गया था। तभी उसे रास्ते में श्यामादेवी, नीलम मनीषा और नेहा ने रोक लिया था और उसकी डंडों से जमकर पिटाई शुरू कर दी थी। हल्ला गुहार सुनकर मां कुसुम भी मौके पर पहुंची तब उपरोक्त लोगों ने उन्हें भी जमकर पीटा गांव वालों के बीच बचाव के बाद मां बेटे की किसी तरह जान बची और वह तहरीर लेकर खंडासा थाने पर पहुंचे पुलिस ने घायल मां बेटे को इलाज के लिए सीएचसी खंडासा भेज दिया और मुकदमा दर्ज करना मुनासिब नहीं समझा। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आज तक मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की जिसके चलते पीड़ित मां मासूम के साथ दर दर भटकने को विवश है। मामला मीडिया के संज्ञान में आने के बाद शनिवार को थाने से पुलिस कर्मी पीड़ित के घर पहुंचे और उल्टे मां बेटे पर सुलह समझौता का दबाव बनाने लगे। मामले में जानकारी हेतु थानाध्यक्ष खंडासा के सीयूजी मोबाइल नंबर मोबाइल नंबर पर फोन कर जानकारी किए जाने पर किसी अन्य पुलिसकर्मी ने फोन उठाया और कहा कि और कहा कि साहब अभी व्यस्त हैं, बाद में बात हो पाएगी। इस तरह से महिला संबंधी अपराधों में भी खंडासा पुलिस उदासीन है, जिसके चलते दबंगों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

सुनील करमचंदानी की पुण्यतिथि पर बच्चों को दी शिक्षा सामाग्री

अयोध्या। अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गरीब परिवार के 100 बच्चों को शिक्षा सामग्री ट्रस्ट की सदस्य समाजसेविका लखनऊ निवासी कंचन तोलानी के भाई सुनील करमचंदानी की पुण्यतिथि के अवसर पर बड़ा रमना देवकली रोड स्थित क्रिस्टल कॉटेज में एक कैंप लगाकर किताब कॉपी ड्राइंग कॉपी रबड़ पेंसिल कटर पटरी मिष्ठान नमकीन आदि सामग्री वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व ट्रस्ट के संरक्षक अरविंद कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि ट्रस्ट के संरक्षक रामबहल ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि गरीब बच्चों को शिक्षित होना अति आवश्यक है जिससे शिक्षा अधिकार और सशक्तिकरण हर बच्चों का हक है जो गरीबी से निकलकर सशक्त आत्मनिर्भर और उज्जवल भविष्य की ओर ले जाता है। अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महिंद्रा ने कहा कि शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर बनती है उनके जीवन की चुनौतियों से लड़ने और अपने परिवार को गरीबी से दूर करने की शक्ति देती है आज के समय में शिक्षा सबसे बड़ा शस्त्र है जो बच्चों को निराशा से आशा की ओर ले जा सके पिछले कई वर्षों से लगातार गरीब बच्चों को खोज कर शिक्षा सामग्री वितरण करता चला रहा है ट्रस्ट अब बड़े पैमाने पर वंचित वर्ग के बच्चों गरीबों के बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरण करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाएगा कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के सचिव मनीष मौर्य ने व संचालन ट्रस्ट की उपाध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ट्रस्ट के सचिव मंसाराम यादव सचिव गिरीश वैश्य पवन कुमार जायसवाल इंजीनियर उमेश चंद्र कविंद्र साहनी आरती शुक्ला प्रोफेसर अनंत राम सिंह गीतांजलि मौर्य प्रमुख रूप से शामिल थे'कार्यक्रम में आए हुए लोगों का आभार ट्रस्ट के सम्मानित सदस्य पवन कुमार जायसवाल ने किया।

सीएम योगी के आने से पहले सपा नेता को पुलिस ने लिया हिरासत में

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी शहर उत्तरी विधानसभा से प्रत्याशी रहे सपा नेता संदीप यादव को झूंसी पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया। संदीप उस समय माघ मेले में मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के अपने शिविर में मौजूद थे। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि सीएम योगी के आगमन के मद्देनजर ऐहतियात के तौर पर संदीप यादव को पकड़ा गया है। पुलिस के पहुंचने पर काफी भीड़ जमा हो गई और सपा कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे। इसके बाद काफी फोर्स मौके पर पहुंच गई और संदीप यादव को थाने ले जाया गया। ज्ञात हो कि सपा नेता संदीप यादव की ओर से माघ मेले में मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के नाम से जमीन आवंटित कराकर शिविर लगाया गया है। पिछले वर्ष महाकुंभ में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा भी स्थापित की गई थी। इस बार प्रशासन ने मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति नहीं दी। ऐसा करने पर भूमि का आवंटन निरस्त करने की चेतावनी दी थी और इससे संबंधित पोस्टर भी शिविर के बाहर चस्पा कर दिया गया था। साथ ही संदीप यादव के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर दी गई। इसके बाद शिविर में मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा न लगाकर राधाकृष्ण की मूर्ति स्थापित कर दी गई है।

राम मंदिर परिसर में कश्मीरी व्यक्ति ने नमाज पढ़ने की किया कोशिश

-मंदिर परिसर में मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा तो समुदाय विशेष के नारे लगाने लगा

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर की अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को राम मंदिर परिसर में एक कश्मीरी व्यक्ति ने नमाज पढ़ने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के हाथ–पांव फूल गए। जैसे ही युवक ने नमाज पढ़ने के लिए कपड़ा बिछाया तो वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद वह नारेबाजी करने लगा। सूचना पर कई सुरक्षा एंजेसियां मौके पर पहुंची हैं। मामला दोपहर करीब दो बजे के आसपास का बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार राम मंदिर में आए श्रद्धालुओं के बीच एक कश्मीरी व्यक्ति मंदिर परिसर में घुस गया। युवक सीधे पश्चिमी परकोटे पर पहुंचा और कपड़ा बिछाकर नमाज पढ़ने की कोशिश करने लगा मंदिर परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों की जब युवक पर नजर पड़ी तो उन्होंने बिना देर किए युवक को पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद इस व्यक्ति ने समुदाय विशेष के नारे लगाने शुरू कर दिए। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और सीआरपीएफ, एसएसएफ, इंटेलिजेंस समेत सभी एजेंसियों को दी। आनन–फानन में सभी एजेंसियों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। हिरासत में लिए एक व्यक्ति से अब पूछताछ की जा रही है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि मंदिर परिसर से पकड़े गए व्यक्ति के पास से आधार कार्ड मिला है। उस पर उसका नाम अहद शेख लिखा है। उसकी उम्र 55 साल है। वह श्रीनगर का रहने वाला है। उन्होंने बताया, सीसीटीवी फुटेज निकालकर एक–एक चीज की पड़ताल की जा रही है। प्राथमिक सूचना के आधार पर वह 50–55 वर्ष का व्यक्ति है जो परकोटे के पास कपड़े बिछा कर नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षा कर्मियों को कुछ शक हुआ जिसके बाद उसे उस पर निगाह रखी गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।
सम्पादक
आरती पाण्डेय
ek-
9807059191- 9026560178
Email-
adbhutsamachar@gmail.com
adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।